Regarding need to include places of religious importance in Gwalior, Madhya Pradesh under PRASAD Scheme-laid

श्री विवेक नारायण शेजवलकर **(ग्वालियर):** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय काम कर रही है । सरकार देश की आर्थिक प्रगति के लिए पर्यटन के महत्व को समझते हुए धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर जोर दे रही है । धार्मिक स्थलों के विकास से आई तरक्की अयोध्या, केदारनाथ धाम, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और चार धाम आदि से समझी जा सकती है, जहां लगातार धार्मिक पर्यटन बढ़ रहा है । धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने से उस क्षेत्र के आधारभूतढांचा, आवागमन सड़क-यातायात के विकास के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढने के साथ ही राजस्व में तेजी से वृद्धि भी हो रही है । केन्द्र सरकार की प्रसाद योजना ?तीर्थयात्रा कायाकल्प और अध्यात्म प्रचार अभियान ? धार्मिक पर्यटन को समृद्ध करने एवं उनके आस पास पर्यटन सेवाओं को विकसित करने पर केंद्रित है । मैं माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि धार्मिक पर्यटन को बढावा देने की दृष्टि से प्रसाद योजना में ग्वालियर संभाग के प्रमुख धार्मिक स्थल एवं आस्था के केन्द्र मां शीतला मंदिर, लखेश्वरी माता मंदिर, धूमेश्वर मंदिर ,लोढी माता नरवर, पीताम्बरा माता, रतनगढ़ वाली माता मंदिर को शामिल करने का कष्ट करें ।